9PBAG1

पाठ 16

बरसात के पानी ले भू–जल संग्रहण

–लेखक मंडल

पानी बिना कोनो परानी के काम नइ चलय। एकरे कारण कहे जाथे–'जल हे त जीवन हे।' पानी ह त ओतकेच के ओतके हे, फेर एकर बउरइया दिन–के–दिन बाढ़त जावत हें। पानी ह कमती परे ल धर ले हे। अब पानी के एक बूँद ल अकारथ गँवाना जीव–जंतु ल बिपत म फँसाना आय। पानी के बूँद–बूँद ल सकेल के रखना जरूरी हे।

पानी के सकेलना ल 'जल संग्रहण' कहे जाथे। 'जल संग्रहण' बर कइ ठन उदिम ये पाठ म बताय गेहे। धरती के भविष्य ह अब 'जल–संग्रहण' के उदिम म माढ़े हे।

धरती के बनावट कुछ अइसे हे के ओ म कइ परत के चट्टान हवँय। कुछ पानी सोखने वाला अउ भुरभुरी हें अउ कुछ तो अतका ठोस हें के ओमा पानी पार नइ जा सकय। जब बरसात होथे तब बहुत अकन पानी ह बोहाके नँदिया–नरवा म चल देथे,फेर कुछ पानी धरती के भीतरी रिसथे घलो। ये ढंग ले रिसने वाला पानी ओ चट्टान म समा जाथे,जेन ह पानी सोंख लेथे अउ ओकर खाल्हे के ठोस चट्टान के पार नइ जा सकय। जमीन के खाल्हे ये ढंग ले जमा होने वाला पानी ह भू–जल आय, जेला हम कुआँ खोद के या नलकूप लगा के पाथन।

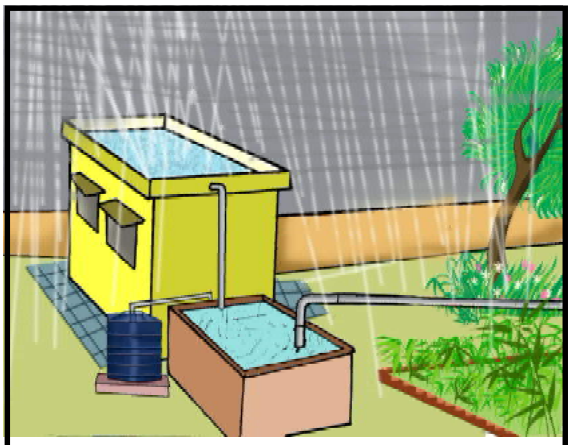

चित्र क्र. 1

पाछू कुछ साल म हमर शहर अउ गाँव के अबादी बहुत बढ़गे हवय। एकरे सेती पानी के माँग पूरा करे बर भू–जल के उपयोग घलो बढ़गे हे। बिजली मिले के कारण शहर अउ गाँव म बहुत जादा नलकूप लगे हें,जेकर ले भू–जल निकाल के घरु उपयोग के संगे–संग खेती–किसानी अउ कल–कारखाना म घलो ओकर उपयोग करे जात हे। एकर नतीजा ये होइस के बरसात के जतका पानी जमीन म रिसथे,ओकर ले जादा पानी हम उपयोग करे बर बाहिर निकालत हन। ये कारण भू–जल के भंडार सतह ह दिन–दिन खाल्हे होवत जात हे,एकर सेती कुआँ अउ नलकूप सुखावत हें,पानी ह खारा होवत हे अउ कइ जघा हमर उपयोग के लइक नइ रहिगे हे।

जंगल के भारी कटाव अउ गहन खेती के कारण बारामसी नंदिया–नरवा कम होवत जात हें, अउ बढ़त अबादी के कारण जघा–जघा पानी के कमी देखे जा सकत हे। हम अपन शहर अउ बड़े गाँव ल देखन त हम पाबोन के उहाँ सरलग नवाँ–नवाँ घर बनत जात हें,सड़क अउ नाली पक्का होवत

हें, तरिया पटावत हें या सुखावत हें, मैदान सकलावत हें अउ पेड़–पौधा कम होवत जात हें। ये सबके नतीजा ये हे के शहर अउ बड़े गाँव म बरसने वाला पानी जमीन म कम रिसथे अउ जमीन के सतह उपर बहिके कइ तरह के अलहन लाथे। खाल्हे डहर म बसे गरीब मन के बस्ती पानी म बुड़ जाथें, नाली मन टिपटिप ले भर के सड़क म बोहावन लगथें अउ पूरा शहर गंदगी ले भर जाथे। एक ढंग ले ये शहर ल मिलइया बरसात के पानी के बरबादी तो आय।

छत और छप्पर का पानी

छत /छप्पर से पानी का भण्डारण

(सोख्ता गड्ढे से पानी सीधे कुंए या नलकूप से डाला जा सकता है।)

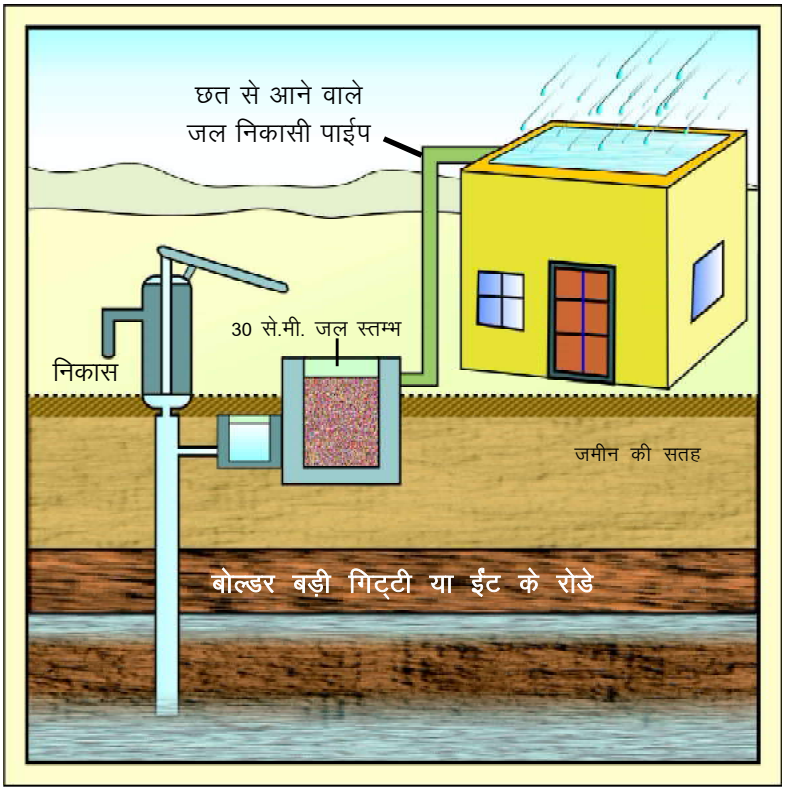

चित्र क्र. 2

फोकटे–फोकट बहने वाला पानी ल कुछ सरल उपाय कर के जमीन के भीतर पहुँचाय जा सकथे। ये ढंग ले सकलाय पानी ले भू–जल के भंडार बढ़थे,कुआँ अउ नलकूप मन म पानी के आवक बढ़ जाथे। सुक्खा के दिन म ये पानी ह हमर काम आ सकथे। छत अउ छानी–छप्पर म पड़ने वाला बरसात के पानी बोहा के अकारथ चल देथे। ये पानी ल सोख्ता गड्ढ़ा बना के सहज रूप म जमीन के भीतर पहुँचाय जा सकत हे। कहुँ तीर–तकार म कुआँ हे त ये पानी ल कुआँ म भरे जा सकत हे। छोटे छत अउ छप्पर–छानी के पानी ल नलकूप म डारे जा सकथे या फेर बनाय गे सोख्ता गड्ढा म डारके जमीन के भीतर पहुँचाय जा सकत हे।

छन्ना के साथ सोख्ता गड्ढा

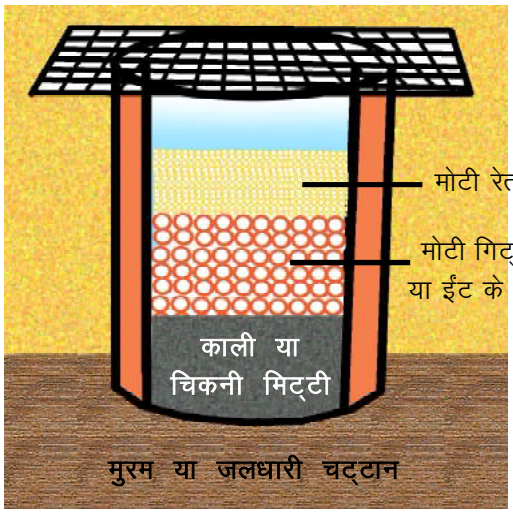

चित्र क्र. 3

मकान के अँगना या तीर–तकार के खुला जमीन ले बोहावत पानी ल घलो सोख्ता गड्ढा म डारके जमीन के भीतर पहुँचाय जा सकत हे। अतका धियान रखे ल परही के चिखला मिले पानी ह सीधा जमीन के भीतर झन जाय। एला रोके खातिर

सोख्ता गड्ढा म छन्ना बनाय के उपाय करे बर परही। ये ल चित्र क्र. 3 म देखाय गे हे।

छोटे बस्ती म दू–चार घर ल मिला के एक ठन सोख्ता गड्ढा बनाय जा सकत हे। सोख्ता गड्ढा ये ढंग ले बनाय जाय के बरसात के पानी छन के खाल्हे उतरय अउ जल सोखइया चट्टान के परत तक पहुँच जाय। ऊपर दे गे चित्र म ये देखाय गे हे के बरसात के पानी ल कोन ढंग ले जमीन के भीतर उतारे जा सकत हे।

शहर–नगर म कुछ खाल्हे भाग अइसे होथें जिहाँ बरसात होइस के पानी भर जाथे। ये ढंग ले सकलाय पानी ल जमीन के भीतरी कइसे उतारे जाय,एला घलो आगू चित्र म दिखाय गेहे। इही ढंग ले शहर अउ बड़े गाँव म कइ ठन सुक्खा अउ बेकार तरिया रहिथें,जेन मन बरसात ले भर जाथें। ईंकर पानी ल घलो उही ढंग ले जमीन के भीतर पहुँचाय जा सकत हे। एकर छोड़ के ये ढंग ले पानी सकलाय ले कुआँ म पानी के आवक बढ़ जाही अउ ओमा साल भर पानी भरे रइही।

कइ ठन शहर गाँव म अइसे छोटे नँदिया–नरवा हवँय जेमा सिरिफ बरसात के दिन म पानी बोहाथे। अइसे नँदिया–नरवा के पाट म जमीन के भीतर पानी रोकने वाला बाँध बना के पानी ओकरे पाट भीतरी घलो रोके जा सकत हे। एकर ले कुआँ–नलकूप मन म पानी के आवक बढ़ जाही । सुक्खा दिन म अइसे नँदिया–नरवा म झिरिया खोद के घलो पानी ले जा सकत हे। एकर छोड़ छोटे–छोटे बाँध बना के घलो अइसे नँदिया–नरवा के पानी ल रोके जा सकत हे। ये ढंग ले

तलाब की तली मं नलकूप की तरह पाईप लगाकर भू–जल भरना

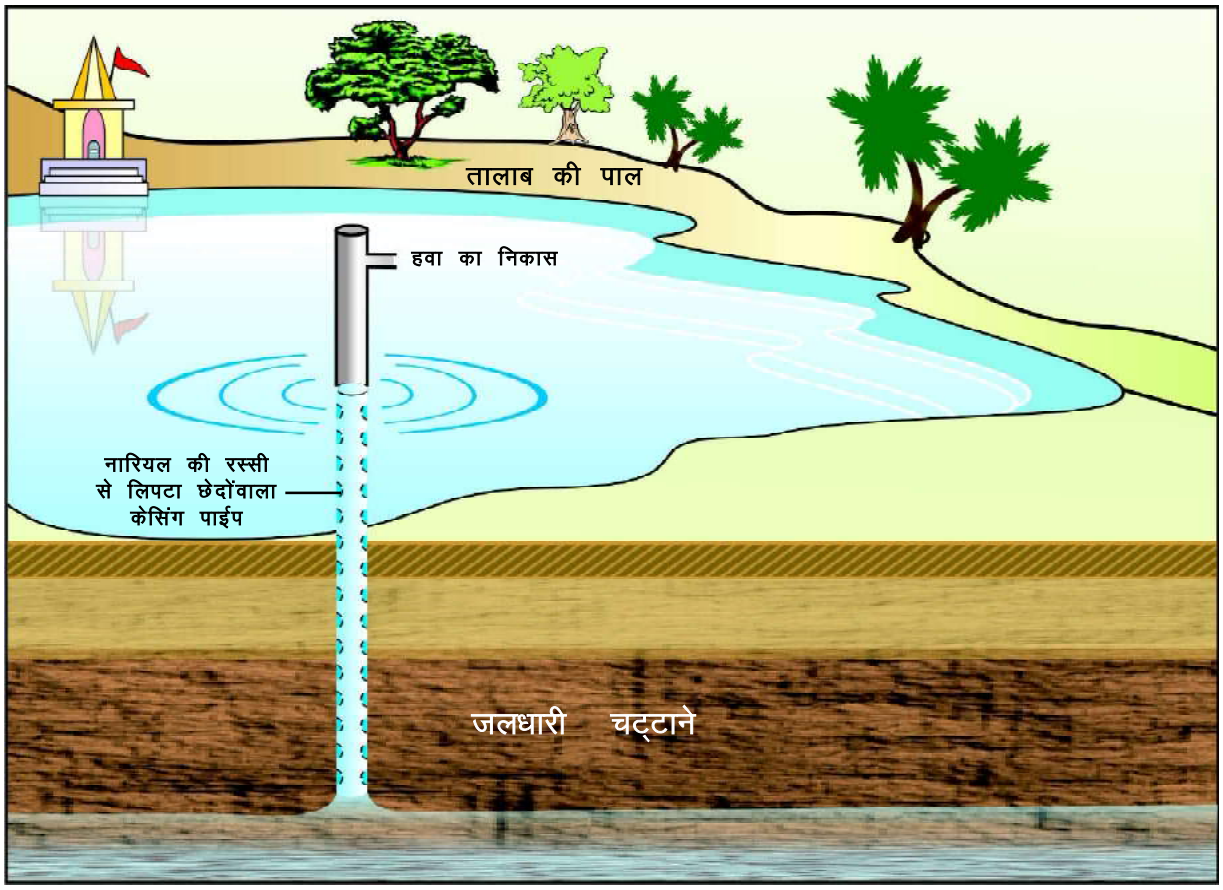

चित्र क्र. 4

कुछ महीना तक निस्तार बर पानी मिल सकही। एकर ले घलो पानी रिस के धरती के खाल्हे पहुँचही अउ कुआँ,नलकूप मन म पानी के आवक बढ़ही।

बरसात के पानी ल जमीन के भीतरी डारके भू–जल के भंडार बढ़ाय के ये कुछ उपाय हवँय,जेला अपनाके कम खरचा म पानी के कमी ल दूर करे जा सकत हे।

छत्तीसगढ़ी शब्द मन के हिन्दी अर्थ

पाथन	=	पाते हैं	रिसथे	=	रिसता है
जघा	=	जगह	नरवा	=	नाला
पाबोन	=	पाएँगे	सरलग	=	लगातार
सकलावत हें	=	कम हो रहे हैं, इकट्ठे हो रहे हैं	बुड़ जाथें	=	डूब जाते हैं
टिपटिप ले	=	लबालब	फोकटे–फोकट	=	फालतू
सकलाय	=	एकत्रित	तीर–तकार	=	आस–पास
चिखला	=	कीचड़	निस्तार	=	निर्वाह,गुजारा

टिप्पणी

झिरिया – सूखी हुई नदी,नाले या तालाब में जल संचित करने के लिए खोदा गया अस्थायी गड्ढा।

अभ्यास

पाठ से

1. भू–जल काला कथें ?
2. भू–जल के उपयोग काबर बाढ़ गेहे ?
3. भू–जल के भंडार काबर कम होवत जात हे ?
4. बारामासी नँदिया–नरवा के कम होय के का कारण हे ?
5. बरसाती पानी के जमीन के भीतर कम रिसे के का–का कारण हें ?
6. बरसाती नँदिया–नरवा के पानी ल कइसे रोके जा सकत हे ?

पाठ से आगे

1. भू–जल के भंडार ल बढ़ाय के का–का उपाय हो सकत हे कक्षा में चर्चा कर लिखव।
2. कुआँ अउ नलकूप म पानी के आवक कइसे बढ़ाय जा सकत हे ? गाँव के सियान मन ल पूछ के लिखव।
3. भू–जल के संग्रहण काबर जरूरी हे ? सोंच के लिखव। अगर जल के संग्रहण नई करहीं त का हो जही विचारव।

A1PIWK

भाषा से

A1YEY8

1. समास विग्रह करके नाँव लिखव –

   भू–जल, कल–कारखाना, छप्पर–छानी, नँदिया–नरवा, खेती–किसानी, पेड़–पौधा।

2. खाल्हे लिखाय वाक्य मन ले विशेषण–विशेष्य शब्द छाँट के लिखव –

   क. ओखर खाल्हे ठोस चट्टान होथे।

   ख. जंगल के भारी कटाव अउ गहन खेती के कारन बारामसी नँदिया–नरवा कम होवत जात हें ।

   ग. हम अपन शहर अउ बड़े गाँव ल देखन त हम पाबोन के उहाँ नवाँ–नवाँ घर बनत जात हें ।

   घ. शहर अउ बड़े गाँव म कइ ठन सुक्खा अउ बेकार तरिया रहिथें।

3. पाठ म आय अनुनासिक (ँ) अउ अनुस्वार (ं) वाले शब्द मन ल छाँट के लिखव।
4. खाल्हे लिखाय शब्द मन ल अपन वाक्य म प्रयोग करव –

   आबादी, बारामासी, संगे–संग, तीर–तकार, निस्तार।

5. 'पानी हे,त जिनगानी हे',ये विषय ल लेके दस वाक्य लिखव ।
6. गाँव के नँदिया, तरिया अउ बोरिंग के पानी ल प्रदूषित होय ले बचाय के उपाय लिखव।

योग्यता विस्तार

A28AZV

1. पानी के महत्तम ऊपर रहीम कवि के लिखे ये दोहा ल याद करव–

   रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
   पानी गए न ऊबरे,मोती,मानुष, चून।।,

2. जल संरक्षण ल लेके बहुत अकन नारा लिखे गे हे। अइसन नारा ल खोज के अपन कापी म लिखव।
3. अपन घर के अँगना म एक ठन सोख्ता गड्ढा बनावव,जइसन पाठ म चित्र म बताय गे हे। ये सोख्ता गड्ढा ल अइसे जघा म बनावव जिहाँ बरसात म ओंरवाती के पानी गिरथे। अइसने सोख्ता गड्ढा अपन स्कूल म घलो बनावव।